भारत सरकार
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1842
दिनांक 11.12.2025 को उत्तर के लिए नियत

पीएमईजीपी के अंतर्गत स्वरोजगार

1842. श्री धर्मेन्द्र यादव:

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी), स्टार्टअप इंडिया और कौशल भारत जैसी योजनाओं के अंतर्गत अब तक प्रत्यक्ष रोजगार या स्वरोजगार प्राप्त करने वाले युवाओं की संख्या कितनी है और तत्संबंधी प्रामाणिक और नवीनतम आंकड़ों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री
(सुश्री शोभा करांदलाजे)

एमएसएमई मंत्रालय, खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) के माध्यम से, देश भर में गैर-कृषि क्षेत्र में नए सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने में भावी उद्यमियों की सहायता करके मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी रोजगार के अवसर सृजित करने के लिए प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) का कार्यान्वयन कर रहा है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, स्कीम की शुरुआत से अर्थात वित्त वर्ष 2008-09 से वित्त वर्ष 2025-26 (दिनांक 09.12.2025 की स्थिति के अनुसार) तक, अनुमानित 87.25 लाख व्यक्तियों को रोजगार प्रदान करने के लिए पीएमईजीपी के अंतर्गत 10.71 लाख से अधिक सूक्ष्म उद्यमों को सहायता प्रदान की गई है।

वाणिज्य मंत्रालय के उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) द्वारा स्टार्टअप इंडिया पहल के अंतर्गत, 31 अक्तूबर, 2025 तक 1,97,692 संस्थाओं को स्टार्टअप के रूप में मान्यता दी गई है। इन मान्यता-प्राप्त स्टार्टअप्स ने 21.11 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर सृजित किए जाने की सूचना दी है।

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय (एमएसडीई) के कौशल भारत मिशन (सिम) के अंतर्गत, प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अल्पकालिक प्रशिक्षण घटक के अंतर्गत प्लेसमेंट को वित्त वर्ष 2015-16 से वित्त वर्ष 2021-22 तक इसके पहले तीन चरणों (पीएमकेवीवाई 1.0, 2.0 और 3.0) में ट्रैक किया गया था, जिसके दौरान पूरे भारत में 24.38 लाख उम्मीदवारों को रोजगार प्रदान किया गया था।

*****